**Sixteenth Loksabha**

an>

Title: Need to grant Scheduled Tribe status to certain communities in Assam.

**श्री नव कुमार सरनीया (कोकराझार)**ः कोच राजबंसी आदिवासी टाई, आहोम, मोरान, मटक और चुटिया छ जनगोष्ठी बहुत दिनों से जनजातिकरण की मांग करते आ रहे हैं, चुनाव के समय यह मुद्दा विशेष़ स्थान रखता है लेकिन वर्तमान समय तक कार्यकारी नहीं हुआ है। कोच राजवंशी को 1996 में जनजाति का दर्जा मिला था परन्तु संविधान में शामिल नहीं हो पाया। आदिवासी लोग भारतवर्ष के विभिन्न राज्यों में जनजाति के रूप में मान्यता हैं। लेकिन असम में इन्हें जनजाति के दर्जा से दूर रखा गया है। सरकार अगर इस विषय पर कोई सटीक और सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है तो आने वाले समय में मेरे संसदीय क्षेत्र के साथ असम में भी भयंकर परिस्थिति होने की संभावना है।

इसलिए मैं सरकार से इस विषय को गंभीरता से लेने के लिए अनुरोध के साथ मांग करता हूँ।

*... (interruptions)*

**माननीय अध्यक्ष :** आइटम नंबर 19 और 20। श्री आनंदराव अडसुल।

…(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Please go back to your seats. I just cannot go back to that subject. You can speak in the evening but not now. I am sorry. What can I do?

*...(interruptions)*

HON. SPEAKER: Already, everything has gone on record. Again the same thing will be repeated. I cannot control like this. No, I am sorry.

*...(interruptions)*

HON. SPEAKER: Please go to your seat. Do not say anything. Otherwise, I cannot do anything. Do not speak like this.

*...(interruptions)*

**12.38 hours**

*(At this stage, Shri M.B. Rajesh and some other hon. Members*

*went back to their seats.)*

HON. SPEAKER: Shri Karunakaran, you have to only complete your statement now. That is all. Do not start from the beginning as everything has already gone on record.

*...(interruptions)*

HON. SPEAKER: Shri Karunakaran, you have to only complete your statement. That is all. You will not start from the beginning again.